वरिष्ठ पत्रकार व राज्य आंदोलनकारी योगेश भट्ट बने राज्य सूचना आयुक्त

चर्चा में क्यों?

4 दिसंबर, 2022 को उत्तराखंड की धामी सरकार ने राज्य आंदोलनकारी और वरिष्ठ पत्रकार योगेश भट्ट को सूचना आयुक्त की ज़िम्मेदारी सौंपी है। उनका कार्यकाल पद ग्रहण करने के दिन से अगले तीन साल तक रहेगा।

प्रमुख बिंदु

- प्रभारी सचिव सुरेंद्र नारायण पांडेय की ओर से इस बाबत आदेश ज़ारी किये गए हैं।
- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बनी चयन समिति ने शासन को प्राप्त आवेदनों के आधार पर उनका चयन किया है। समिति में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और कैबिनेट मंत्री चंदनराम दास शामिल हैं।
- उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान छात्र जीवन में रहते हुए योगेश भट्ट ने सक्रिय आंदोलनकारी की भूमिका निभाई। स्टूडेंट्स एंड यूथ एलायंस (साया) के संचालनकर्त्ताओं में शामिल रहे भट्ट पर 'राज्य नहीं तो चुनाव नहीं'आंदोलन के दौरान गैंगस्टर एक्ट भी लगाया गया था। राज्य बनने के बाद भी तमाम मंचों पर उत्तराखंड से जुड़े सवालों पर योगेश की मुखरता निरंतर बनी रही।
- 90 के दशक में पत्रकारिता की शुरुआत करने वाले योगेश भट्ट की पहचान प्रखर पत्रकार के रूप में भी बनी हुई है। उन्होंने कई समाचार पत्रों में काम करते हुए अलग पहचान बनाई। योगेश पत्रकार हितों के मुद्दे पर भी हमेशा मुखर रहे हैं। ये उत्तरांचल प्रेस क्लब में महामंत्री और अध्यक्ष का दायित्व भी निभा चुके हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/yogesh-bhatt-became-state-information-commissioner